

(b) the names of the States where this Board will function?

The Minister of Irrigation and Power (Dr. K. L. Rao): (a) A Flood Control Board has been constituted to ensure integrated planning, unified control and direction for speedy execution of flood control works in Delhi and its contiguous areas of Punjab and Rajasthan.

(b) The States of Punjab, Rajasthan and Uttar Pradesh and the Delhi Administration are represented on this Board. The Board will deal with the flood and drainage problem in Delhi and its adjoining areas.

Enquiry into Mundhra's Holdings in U.K.

440. Shri Dhuleshwar Meena: Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Shri Hari Das Mundhra has got holding worth £10 lakhs in London in respect of which an enquiry was held by the Company Law Administration and Enforcement Branch with the help of Scotland Yard;

(b) if so, how much expenditure has been incurred on the enquiry; and

(c) with what result?

The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari): (a) to (c). The matter is under investigation at present and it would not be desirable to disclose any information about this case at the present stage.

राजस्थान नहर से पंजाब की पानी की सप्लाई

441. श्री गुलशन : क्या सिन्धु और बिद्युत मंत्री 9 सितम्बर, 1965 के तारांकित प्रश्न संख्या 510 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान नहर से पंजाब को पानी देने के प्रश्न पर इस बीच पुनः विचार कर लिया गया है; और

(ख) यदि हाँ, तो इस बारे में क्या निर्णय किया गया है ?

सिन्धु और बिद्युत मंत्री (डा० कु० ल० राव) : (क) इस मामले पर विचार किया जा रहा है।

(ख) प्रश्न नहीं जठता।

12 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTERS OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

(i) ACCIDENT ON RAILWAY BRIDGE NEAR SITAMARHI

Shri P. R. Chakraverti (Dhanbad): I call the attention of the Minister of Railways to the following matter of urgent public importance and I request that he may make a statement thereon:—

"The reported death of four persons and injuries to others as a result of being knocked down by a passenger train on a bridge over the river Bagmati on the 9th November, 1965."

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhas Singh): On the morning of 9-11-1965, at about 6.30 hrs. a large number of persons proceeding to the Kartik Purnima Mela were trespassing over the railway bridge No. 91-A situated at Km. 132/3-4 between Dhang and Bairagnia stations on Darbhanga-Narkatiaganj section of North Eastern Railway. At that time train No. 101 Up Darbhanga-Narkatiaganj Passenger approached the bridge. Nine of the trespassers who could not get clear were run over. Of these, four were killed and five others seriously injured.

The driver of the train on arrival at Bairagnia reported the incident at 6.45 hrs. Shortly thereafter a mob of people collected at the station and

[Dr. Ram Subhag Singh]

assaulted the driver, the guard and the station staff. The driver sustained serious injuries and some railway property was damaged.

The Government Railway Police and the civil authorities of Sitamarhi Sub Division were advised. A party of Government Railway Police arrived at the site at 9.45 hrs. About an hour later, the Sub Divisional Officer and the Asstt. Superintendent of Police of the district also arrived at the site.

The injured persons were brought to Bairagina and the local railway doctor attended to them. Thereafter the injured persons including the railway driver were taken to Sitamarhi Civil Hospital for further treatment. One of the injured persons expired on the morning of 10-11-65.

It is reported that the police have arrested eight persons for indulging in violence and are conducting investigations.

Shri P. R. Chakraverti: May I know whether any provision has been made for *ex gratia* payments to the people affected by this accident?

Dr. Ram Subhag Singh: We have appointed a committee of senior officers, and on receiving their report, we shall act according to that.

श्री यशपाल सिंह (कैराना): जब मैं पाकिस्तान के साथ हमारी लड़ाई शुरू हुई है, हमारे हर एक पुल पर गाइड्स खड़े हुए हैं तो वहां पर जो गाइड्स तैनात थे, क्या उन्होंने जाने वालों को नहीं रोका और अगर इस तरह से ट्रेसपॉसिंग हुआ, तो फिर गाइड्स को रखने का क्या फायदा है ?

डा० राम सुभग सिंह: माननीय सदस्य का तात्पर्य रेलवे गाइड्स से नहीं, बल्कि पुल पर पहरा देने वाले गाइड्स से है। इन सब बातों का पता पुलिस लगा रही है कि क्या क्या

बातें हुईं। जो खबर आयेंगी, हम उस के आधार पर कोई फैसला करेंगे।

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास): माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में बताया है कि प्राठ व्यक्ति हिमक कार्यवाही करते हुए पकड़े गए। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या उन व्यक्तियों का पंचमांगियों से सम्बन्ध था, क्या वे पंचमांगी थे, वे किस विचार के थे और वे किस प्रकार की कार्यवाही करने हुए पकड़े गए ? जो लोग मरे हैं, क्या उन के परिवार के लोगों को सूचना पहुंचा दी गई है।

डा० राम सुभग सिंह: जब तक पूरी रिपोर्ट न मिले, मैं उन्हें पंचमांगी कैसे कह सकता हूँ ?

श्री हुकम चन्द कछवाय: दूसरे भाग का भी उत्तर दिया जाय।

अध्यक्ष महोदय: दूसरे भाग का जवाब पहले झा चुका है कि एक कम्पटी मुकर्रर की गई है। उस की सिफारिश आने पर फ़ैसला किया जायेगा।

श्री हुकम चन्द कछवाय: क्या मरने वालों के परिवारों को सूचना पहुंचा दी गई है ?

डा० राम सुभग सिंह: सूचना पहुंचा दी गई है। हम इसके प्रस्ताव और भी ज्यादा करेंगे।

Shri P. C. Borooah (Sibsagar): May I know whether it is not a rule that speed restrictions are to be observed by the crew of the engine when passing over a bridge?

Dr. Ram Subhag Singh: Yes, the rule is there and it is being observed and it has been observed.

श्री न० प्र० यादव (भीतामती): मैं रेलवे मंत्री से यह जानना चाहता हूँ कि जब डैंग-बैरगिनियां रेलवे स्टेशनों के बीच बाराभती

[श्री न० प० यादव]

नदी के पुल पर करीब हजार घादमी इकट्ठे जा रहे थे, तो फिर गाड़ी क्यों नहीं रोकी गई ?

डा० राम सुभग सिंह : इस बात की भी जांच होगी कि गाड़ी क्यों नहीं रोकी गई ?

श्री तुषारोबाब जायब (नादेड) : ऐसे रेलवे पुलों पर बार-बार एक्सिडेंट्स होते हैं, जैसे जिला शोलापुर में सीना नदी के ब्रिज पर बहुत एक्सिडेंट्स होते हैं। नदी पर जो ब्रिज होते हैं, उस के साथ साथ दोनों तरफ फुटपाथ सरकार क्यों नहीं बनाती है, जिम में ये एक्सिडेंट्स न हों ? इस ब्रिज पर फुट पाथ था या नहीं, कोई दूसरा रास्ता था या नहीं ?

डा० राम सुभग सिंह : जैसा कि श्रीमान् जानते हैं, रेल के अनेक पुल ऐसे बने हुए हैं, जहाँ केवल रेलें ही चलती हैं। यह भी ऐसा ही पुल है।

श्री विठ्ठलनाथ पाण्डेय (सलेमपुर) : क्या सरकार इस दुर्घटना की जांच के लिए कोई उच्च कोटि की जांच समिति बिठाने का विचार कर रही है ?

डा० राम सुभग सिंह : जैसा कि मैं ने पहले बताया है कि एक मीनिजर स्कैल प्राक्सिडेंट की कमेटी बहाल की गई है।

श्री बज बिहारी मेहरोत्रा (बिस्हीर) : क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि जब कातिक के मेले में हर साल लोग पुल पर से निकलते हैं, तो फिर इस साल वहाँ पर ट्रैकिंग कंट्रोल का इन्तजाम क्यों नहीं किया गया है ?

डा० राम सुभग सिंह : मैं नहीं जानता कि हर साल की बात कहां तक सही है, लेकिन वहाँ दोनों ओर बानिंग का निशान लगाया गया है कि नहीं चलना चाहिए, अगर यह दुर्घटना हुई है। इन सब बातों को देखा जायेगा।

12.7 hrs.

RE: CALLING-ATTENTION-NOTICE
(Query)

Mr. Speaker: We shall now take up yesterday's calling-attention notice. Now, Shri Hari Vishnu Kamath.

श्री हरिधर चन्द कच्छवाप (देवास) : अध्यक्ष महादय, मैं ने एक काम-रोको प्रस्ताव दिया था, जिस का सम्बन्ध एक बड़े महत्त्वपूर्ण विषय से है।

अध्यक्ष महोदय : मैं उम को इस तरह से नहीं ले सकता हूँ।

श्री मधु लिमये (मुगेर) : अध्यक्ष महादय, मैं ने कल अपने धरानाकर्षण प्रस्ताव के बारे में जब कहा था, तो आप ने कहा था, कि आप मंजूर को भीषण देंगे। उस का संबंध यम्बई की इन्डू सुप की मिनॉ में है। 22 हजार मजदूरों का सवाल है।

अध्यक्ष महोदय : मैं उम को इस तरह नहीं उठाने दूंगा ?

श्री मधु लिमये : तो किस तरह उठाने दूँगे ? वह लाखों लोगों की जिन्दगी और मौत का सवाल है। प्राक्खि यह लोक मभा काहे के लिए है ?

अध्यक्ष महोदय : वह मैं समझता हूँ।

श्री मधु लिमये : आप बतायें कि आप कब बुलायेंगे—आज बुलायेंगे, बाद में बुलायेंगे, कल बुलायेंगे ?

अध्यक्ष महोदय : मैं अब नहीं कह सकता।

श्री मधु लिमये : यह मामला 22 हजार मजदूरों का है। ये मिलें बन्द होने जा रही हैं। सरकार ने उन को हाथ में लिया था। सरकार ने उन को झण्डी स्थिति में लाने के बाद फिर मिल-मालिकों के हाथ में दे दिया। एक करोड़ रुपये का उस वक्त नफ़ा हो गया था। मिल-मालिकों ने फिर उम को बर्बाद कर दिया। अगर आप इस मामले को उठाने